एक जिंदगी
एक मंजिल
कार्डियाक साईंसिस
मैरिंगो सिम्स अस्पताल

हृदय और धड़कन

Marengo CIMS Hospital

वर्ष - 15, अंक -174, जून 20, 2024

Price ₹ 5/-

JCI

ACC
International
Centers Of Excellence

Marengo CIMS Hospital

पेरिफेरल वस्क्युलर डिसीज़ (PVD) - एथेरोस्क्लेरोसिस का ही एक पार्ट

डो. उर्मिल शाह

MD, DM (Cardiology), FACC
(Fellow of American College of Cardiology)
International Scholar Cleveland Clinic USA
Interventional Cardiologist
Specialist in Radial Intervention

(Mo.) +91 98250 66939
urmil.shah@cims.me

शरीर की धमनियोंमें फेट जमा होने को एथेरोस्क्लेरोसिस कहा जाता है। इस बढ़ती उम्रके लिए यह स्वाभाविक है | यह प्रोसीजर शरीर की कई धमनियों जैसे हृदय, पैर, दिमाग, गुर्दे और हाथ, को प्रभावित कर सकती है | जब एथेरोस्क्लेरोसिस पैरों की धमनियों में होता है और मरीज़ को पैरोंमें रक्त की आपूर्ति कम हो जाती है, तो इसे पेरिफेरल वस्क्युलर डिसीज़ (PVD) कहा जाता है। ऐसे मरीज़को चलते समय पैर में, विशेषकर पिंडली की मांसपेशियोंमें दर्द होता है जो आराम करने से कम हो जाता है, इसे क्लैडिकेशन कहा जाता है।

PVD वाले कुछ मरीज़ों को एथेरोस्क्लोरोटिक धमनी में अचानक रक्त का थक्का जमने के कारण पैरों में गंभीर दर्द और पग ठंडे पड जाते है, कालापन और सुन्नता का अनुभव होता है। इसे गैंग्रीन कहा जाता है और अगर तुरंत इलाज न किया जाए तो पैर काटना पड़ सकता है।

पैर के छाले जो ठीक नहीं हो रहे होते है, वह पेरिफेरल वस्क्युलर डिसीज़ का एक लक्षण भी हो सकते हैं।

पेरिफेरल वस्क्युलर डिसीज़ एथेरोस्क्लेरोसिस की प्रॉसीजर का एक हिस्सा है और एथेरोस्क्लेरोसिस की प्रॉसीजर के लिए जोखिम कारक जैसे डायबिटीस, ब्लडप्रेशर, धूम्रपान, तंबाकू का उपयोग, बढ़ती उम्र और ब्लडमें फेट का ज़्यादा प्रमाण भी पेरिफेरल वैस्क्युलर रोग के लिए जोखिम कारक हैं। इनमें सबसे बड़ा जोखिम कारक धूम्रपान और तंबाकू का सेवन है।

कई मरीज़ो में एक से अधिक धमनियों में एथेरोस्क्लोरोटिक अवरोध होता है, और उन मरीज़ो में हृदय रोग, पेरिफिरल वैस्क्युलर रोग, कैरोटिड ब्लॉक (दिमाग तक जाने वाली धमनी का अवरोध) एक साथ या लगातार होता है। इसलिए, जब किसी मरीज को शरीर की धमनियों में से किसी एक में एथेरोस्क्लेरोसिस मिलता है, तो यह जांचना चाहिए कि क्या यह प्रक्रिया शरीर की अन्य धमनियों में शुरु हो गई है या नहीं।

एक साधारण एंकल -ब्रेकिअल इंडेक्स - जो पैर और बांह के ब्लडप्रेशर की तुलना करता है - पेरिफेरल वस्क्युलर डिसीज़ के शीघ्र निदान के लिए बहुत उपयोगी है। पैर की धमनी का डॉपलर अल्ट्रासाउंड भी सटीक जानकारी प्रदान करता है कि धमनी कहां और किस हद तक संकुचित है। डॉपलर पर धमनी स्टेनोसिस वाले मरीज़ों में पैर की एंजियोग्राफी की जानी चाहिए। यह परीक्षण इस बात की जानकारी देता है कि बीमारी का इलाज कैसे किया जाए, जैसे दवाओं, एंजियोप्लास्टी और स्टेंटिंग या सर्जरी के साथ, और यह कितनी जल्दी किया जाना चाहिए और क्या प्रतीक्षा करने का जोखिम है।

जब किसी मरीज को गैंग्रीन होता है, तो पैर काला हो जाता है, तो तत्काल रक्त पतला करने वाला इंजेक्शन या रक्त के थक्के को हटाने के लिए एम्बोलेक्टोमी नामक एक छोटी प्रोसीजर से मरीज की रिकवरी में तेजी आ सकती है और अंग-विच्छेदन की संभावना कम हो सकती है। अन्य मरीज़ जिनके पैरों में अकड़न या ठीक न होने वाले अल्सर हैं, उन्हें रक्त पतला करने वाली और फेट कम करने वाली दवाएं शुरु करने की आवश्यकता है। यदि मरीज़ के लक्षणों में दवा से राहत नहीं मिलती है या यदि डॉपलर जांच या एंजियोग्राफी में बड़ी मात्रा में ब्लॉक दिखाई देता है, तो रोगी को दवा के साथ-साथ एंजियोप्लास्टी या सर्जरी द्वारा ठीक किया जा सकता है।

लंबे और अधिक लचीले विशेष धमनी स्टेंट की उपलब्धता के साथ, कई मरीज़ो का अब एंजियोप्लास्टी और स्टेंट के साथ अच्छे दीर्घकालिक परिणामों के साथ इलाज किया जा सकता है। नई दवा से भरे बलूनभी ऐसे पैर की धमनी ब्लॉकों के लिए बहुत फायदेमंद साबित हुए हैं।

कार्डियोलोजिस्ट

डॉ विपुल कपूर	+91-98240 99848	डॉ उर्मिल शाह	+91-98250 66939
डॉ तेजस वी. पटेल	+91-89403 05130	डॉ हेमांग बक्षी	+91-98250 30111
डॉ हिरेन केवडीया	+91-98254 65205	डॉ अनिश चंदाराणा	+91-98250 96922
डॉ गुणवंत पटेल	+91-98240 61266	डॉ अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ केयूर परीख	+91-98250 66664	डॉ सत्य गुप्ता	+91-99250 45780
डॉ मिलन चग	+91-98240 22107	डॉ विनीत सांखला	+91-99250 15056

पिडियाट्रिक कार्डियोलोजीस्ट

डॉ कश्यप शेठ +91-99246 12288
डॉ मिलन चग +91-98240 22107

कार्डियाक सर्जन

डॉ धीरेन शाह +91-98255 75933
डॉ धवल नायक +91-90991 11133
डॉ अमित चंदन +91-96990 84097
डॉ किशोर गुप्ता +91-99142 81008
डॉ निकुंज व्यास +91-7353165955

पिडियाट्रीक और स्ट्रक्चरल हार्ट सर्जन

डॉ शौनक शाह +91-98250 44502

कार्डियोवास्क्युलर, थोरासीक और थोराकोस्कोपीक सर्जन

डॉ प्रणव मोदी +91-99240 84700

कार्डियाक एनेस्थेटिक्ट

डॉ निरेन भावसार +91-98795 71917
डॉ हिरेन धोलकिया +91-95863 75818
डॉ चिंतन शेठ +91-91732 04454

कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट

डॉ अजय नाईक +91-98250 82666
डॉ हिरेन केवडीया +91-98254 65205

Marengo CIMS Hospital

हृदय विफलता (हार्ट फेल्योर) की एडवांस्ड सारवार

हार्ट फेल्योर क्या है?

हृदय विफलता एक सामान्य लम्बे समय तक चलने वाली समस्या है जो तब होती है जब हृदय की मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं और शरीर को आपूर्ति करने के लिए पर्याप्त रक्त पंप करने में सक्षम नहीं होती हैं। हृदय की

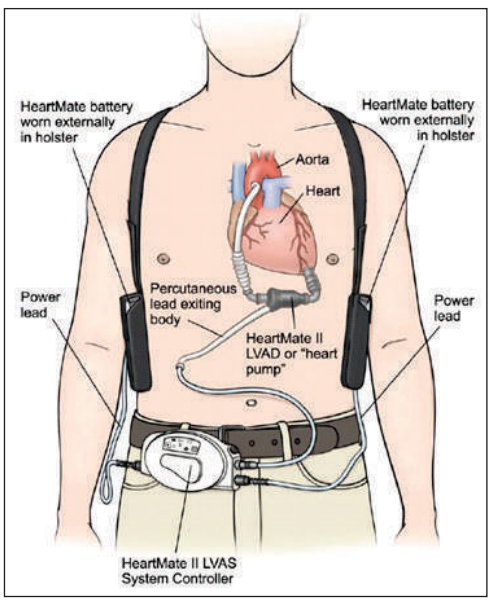

विफलता समय के साथ बदतर होती जाती है और लगातार, दिल का दौरा, वाल्व रोग या हृदय रोग के अन्य रूपों या जन्म दोषों के कारण होती है। यदि इलाज नहीं किया जाता है, तो पर्याप्त रक्त आपूर्ति की कमी के कारण अंग धीरे-धीरे विफल हो जाते हैं, जिससे विभिन्न प्रकार की चिकित्सीय समस्याएं पैदा होती हैं जो व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करती हैं और अक्सर मृत्यु का कारण बनती हैं।

यदि आपको या आपके किसी जानने वाले को हार्ट फेल्योर है, जिसे कंजेस्टिव हृदय विफलता भी कहा जाता है, तो आप अकेले नहीं हैं। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के अनुसार, 5 मिलियन से अधिक अमेरिकी हृदय विफलता के साथ जी रहे हैं, हर साल 670,000 नए मामले सामने आते हैं। भारत में इससे कई गुना अधिक मरीज हैं।

हार्ट फेल्योर वाले लोगों को अक्सर सांस की तकलीफ और थकान का अनुभव होता है। वर्षों तक अवरुद्ध धमनियों या हाई ब्लड प्रेशर के साथ रहने से आपका हृदय कमजोर हो जाता है, जिससे यह आपके शरीर में पर्याप्त रक्त पंप नहीं कर पाता है। जैसे-जैसे इसके लक्षण बिगड़ते जाते हैं वैसे वैसे हृदय विफलता बढ़ती जाती है। एडवांस्ड हृदय विफलता एक गंभीर स्थिति है। आप बिगड़ते लक्षणों से राहत पाने के तरीके ढूंढने में सक्षम हो सकते हैं, जैसे गतिविधि कम करना, कम तरल पदार्थ पीना और तकिये के साथ सोना, लेकिन आपके जीवन का दैनिक कार्य एवं जीवन को असर हो सकता है । एडवांस्ड हृदय विफलता पर नियंत्रण पाना ही सही समाधान है। आपको अपने डॉक्टर की सिफारिशों का पालन करना होगा और स्वस्थ जीवन के लिए जीवनशैली में कुछ आवश्यक बदलाव करने होंगे।

VAD थेरेपी के बारे में

मैकेनिकल सर्कुलेटरी सपोर्ट के माध्यम से आशा लाना मैकेनिकल सर्कुलेटरी सपोर्ट (MCS) में वेंट्रिकुलर असिस्ट डिवाइस (VAD) के रूप में जाने वाले रक्त पंपों का उपयोग करके रक्त प्रवाह में सुधार करना शामिल है। यह हृदय को पूरे शरीर में रक्त पंप करने में मदद करता है। इससे हृदय बदल नहीं जाता है| इस उपकरण को लगवाने के लिए मरीज को सर्जरी करानी पड़ती है।

VAD हृदय प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा कर रहे मरीज़ो को तब तक जीवित रहने में मदद कर सकता है जब तक कि दाता हृदय नहीं मिल जाता। इसे ब्रिज-टू-ट्रांसप्लांटेशन के रूपमें जाना जाता है। कुछ एडवांस्ड हृदय विफलता वाले मरीज़ अन्य बीमारियों के कारण या अपनी उम्र के कारण प्रत्यारोपण नहीं करा सकते हैं।

ऐसे मरीज़ो को दीर्घकालिक VI समर्थन से लाभ हो सकता है। इसे "डेस्टिनेशन थेरपी" कहा जाता है। अक्सर VAD से मरीज़ के दिल की हालत में सुधार होता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि पंप उनके दिल को आराम करने का मौका देता है।

LVAD क्या है?

LVAD का पूरा नाम लेफ्ट वेंट्रिकुलर असिस्ट डिवाइस है। ये एक मेकैनिकल उपकरण है।

जब हृदय अपने आप शरीर में रक्त पंप करने के लिए बहुत कमजोर हो जाता है, तो इस उपकरण का उपयोग पूरे शरीर में रक्त प्रसारित करने के लिए किया जा सकता है। इसे कभी-कभी "हृदय पंप" या "VAD " भी कहा जाता है। यह एक छोटा इम्प्लांटेबल LVAD है जो मेडिकल टेक्नोलॉजी में एक बड़ी सफलता है

और तेजी से दुनिया में अपनी तरह का सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाने वाला उपकरण बन गया है, और अब यह भारत में भी उपलब्ध है, और मैरिंगो सिम्स अस्पताल में भी उपलब्ध है। यहां के डॉक्टरों ने पहले ही इसकी ट्रेनिंग ले ली है.

हार्टमेटा कैसे काम करता है?

हार्टमेटा मरीज़ के बाएं वेंट्रिकल की पंपिंग को संभालने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह उपकरण पेट में डायाफ्राम के ठीक नीचे लगाया जाता है। यह बाएं वेंट्रिकल और महाधमनी से जुड़ा हुआ है, जो मुख्य धमनी है जो बाएं वेंट्रिकल से शरीर के बाकी हिस्सों तक ऑक्सीजन युक्त रक्त ले जाती है। एक बाहरी पहनने योग्य सिस्टम एक बाहरी ड्राइवलाइन के माध्यम से जुड़ी होती है जिसमें एक छोटा कंट्रोलर और दो बैटरियां होती हैं। पहनने योग्य सिस्टम कपड़ों के नीचे या ऊपर पहने जाते हैं।

दिल की विफलता के मरीज़ के लिए हार्टमेट कैसे मदद कर सकते हैं?

यह दिल का साथी बने इस तरह से डिजाइन किया गया है कि पूरे शरीर में रक्त का प्रवाह बना रहे। इससे मरीज को आसानी से सांस लेने में मदद मिलती है और थकान भी कम महसूस होती है। मरीज़ के अंगों को अब LVAD प्रत्यारोपित होने से पहले की तुलना में अधिक रक्त प्राप्त होगा, और इससे अंगके कार्य में सुधार होगा। LVAD प्रत्यारोपित होने के बाद, मरीज़ आमतौर पर अधिक ऊर्जावान महसूस करता है और आसानी से सामान्य गतिविधियाँ कर सकता है जो वह डिवाइस के बिना नहीं कर सकता।

हार्टमेट के साथ एक मरीज़ कितना सक्रिय हो सकता है?

उपकरण प्रत्यारोपित करने से पहले, मरीज हृदय विफलता के गंभीर चरण में होते हैं इसलिए उनकी क्षमता बहुत कम हो जाती है और वे बहुत सीमित कार्य करने में सक्षम होते हैं। हार्टमेट प्रत्यारोपण के बाद, अधिकांश मरीज़ अपनी पसंदीदा दैनिक कार्य फिर से शुरू कर सकते हैं।

एडवान्स्ड हृदय विफलता मरीज़ों के लिए हार्टमेट क्या कोई अच्छा सारवार विकल्प है?

हाँ। हार्टमेटा को एडवान्स्ड हृदय विफलता में मानक सारवार माना जाता है। अध्ययनों से पता चला है कि LVAD -उपचारित एडवांस्ड हृदय विफलता वाले मरीज़ लंबे समय तक जीवित रहते हैं और उन मरीज़ो की तुलना में जीवन की गुणवत्ता बेहतर होती है जो अकेले दवा चिकित्सा पर निर्भर होते हैं। अनुमान है कि अमेरिका में एडवांस्ड हृदय विफलता वाले लगभग 50,000 से 1,00,000 मरीज हैं जिन्हें LVAD से लाभ हो सकता है।

इसकी बैटरी कितने समय तक चलती है?

LVAD के लिए उपयोग की जाने वाली नई पीढ़ी की बैटरियां 14 घंटे तक चलती हैं जिसके बाद उन्हें रिचार्ज करने की आवश्यकता होती है। किट में ऐसी चार बैटरियां दी गई हैं|

हार्टमेटा कौन लगवा सकता है?

एडवांस्ड हृदय विफलता से पीड़ित मरीज़ और जो चिकित्सा की सभी सम्भावना , वे हार्टमेट हैं। इस्तेमाल कर सकते हैं यह उपकरण मरीज के दिल को आराम देने और पंपिंग का काम संभालने की अनुमति देता है, इसलिए यह पाया गया है कि LVAD मरीज के कमजोर दिल को उसके कुछ कार्यों को फिर से हासिल करने की अनुमति देता है। मरीजों को यह निर्धारित करने के लिए अपने चिकित्सक से परामर्श करना चाहिए कि क्या वे LVAD थेरेपी के लिए उपयुक्त उम्मीदवार हैं।

क्या हृदय मेटास्टेस वाले व्यक्ति की दिल की धड़कन कम होती है?

दिल का दौरा पड़ने वाले मरीज़ की हृदय गति आमतौर पर कम होती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हार्टमेट दिल के धड़कने के साथ ही हृदय से शरीर के अंगों तक लगातार रक्त पंप करता है। LVAD हृदय को कितना सहारा देता है यह मरीज की दिल की धड़कन की ताकत पर निर्भर करेगा।

LVAD कितने बड़े होते हैं?

LVAD विभिन्न आकारों में आते हैं, लेकिन हार्टमेट II - सभी FDA-अनुमोदित LVAD में सबसे छोटा है। इसकी लंबाई लगभग 3 इंच और वजन लगभग 10 औंस है।

में LVAD कहा करवा सकता हूँ ?

हार्टमेट दुनिया भर में 200 से अधिक केंद्रों पर है। अब मैरिंगो सिम्समें भी यह प्रत्यारोपण प्रमाणित है।

डॉ धीरेन शाह, डॉ मिलन चग एवं डॉ निरेन भावसार को इस प्रोसिजरके लिए मान्यता और प्रमाणपत्र मिला है

Marengo CIMS Hospital

एक हृदय
एक जिंदगी
एक मंजिल
कार्डियाक साईंसिस
मैरिंगो सिम्स अस्पताल

1st नॉन -सर्जिकल डबल वाल्व रिप्लेसमेन्ट

मैरिंगो सिम्स अस्पताल, अहमदाबाद

TMVR +TAVR रोगग्रस्त वाल्व को बदलने के लिए सर्जरी

मैरिंगो सिम्स अस्पताल में

स्पाइरल कैथेटर (Medtronic) के द्वारा की गई गुजरात की पहली RDN थेरेपी

2014 से RDN प्रोसिजर में व्यापक अनुभव के साथ भारत में प्रथम मे से एक

प्रतिरोधी हाई ब्लड प्रेशर (जो दवा से कम नहीं होता) के लिए,
एक मिनिमली इनवेसिव प्रोसीजर जो किडनी में तंत्रिकाओं की गतिविधि को कम करने के लिए रेडियोफ्रीक्वेंसी का उपयोग करती है,
जिसके परिणामस्वरूप ब्लड प्रेशर मे में महत्वपूर्ण गिरावट आती है।

Marengo CIMS Hospital
Off. Science City Road, Sola, Ahmedabad - 380060
Email: marengocims.info@marengoaisa.com

JCI (USA) ACC

For emergency or appointment,
1800 309 9999

Marengo CIMS Hospital

एक हृदय
एक जिंदगी
एक मंजिल
कार्डियाक साईंसिस
मैरिंगो सिम्स अस्पताल

WORLD'S BEST HOSPITALS 2023 Newsweek statista
MARENGO CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES

BEST HOSPITAL IN AHMEDABAD FOR 4 YEARS IN A ROW
AMONGST TOP 25 IN INDIA
Thank you for trusting us with your health

इंस्टिट्यूट ऑफ़ कार्डियाक सायंसिस

मैरिंगो सिम्स अस्पताल, अहमदाबाद

भारत की सबसे बड़ी और सबसे विशेषज्ञ हार्ट केर टीम में से एक

प्रथम रो बाएँ से दाए: डॉ विपुल आहिर | धन्यता धोलकिया | डॉ चिंतन सेठ | डॉ नीरेन भावसार | डॉ निकुंज व्यास | डॉ शौनक शाह | डॉ धीरेन शाह | डॉ धवल नायक | डॉ अमित चंदन | डॉ प्रणव मोदी | डॉ किशोर गुप्ता | डॉ हिरेन धोलकिया | उल्हास पढियार | आकाश राजावत | डॉ गुणवंत पटेल

द्वितीय रो बाएँ से दाएँ: डॉ तेजस वी. पटेल | डॉ सत्य गुप्ता | डॉ उर्मिल शाह | डॉ अनीश चंदराना | डॉ केयूर परिख | डॉ मिलन चग | डॉ अजय नाईक | डॉ हेमांग बक्शी | डॉ हिरेन केवड़िया | डॉ विपुल कपूर | डॉ कश्यप शेठ | डॉ विनीत सांखला

1,00,000+ एन्जियोग्राफी	**30,000+** एन्जियोप्लास्टी	**15,000+** बायपास सर्जरीझ	**47** TAVI/TMVR	**51** हार्ट ट्रान्सप्लान्ट
4,500+ EP स्टडीझ	**3,500+** पेसमेकर ईम्प्लान्ट	**100+** (पर्क्युटेनियस ट्रान्सल्युमिनल सेप्टल म्योकार्डियल एब्लेशन)	**1,200+** निओनेटल पीडियाट्रिक डिवाइस प्रोसिजर	
1,800+ मिनिमली इन्वेसिव कार्डियाक सर्जरीझ	**2,000+** वाल्व सर्जरीझ	**200+** एओर्टिक सर्जरी	**200+** EMB (एन्डोमेट्रिअल बायोप्सी)	

Marengo CIMS Hospital
Off. Science City Road, Sola, Ahmedabad - 380060
Email: marengocims.info@marengoaisa.com

JCI (USA)

For emergency or appointment,
1800 309 9999

Marengo CIMS Hospital

WE'VE GOT YOU COVERED!
CASHLESS SERVICES NOW AVAILABLE
at Marengo CIMS Hospital, Ahmedabad

Only JCI (USA) accredited
Multi-Speciality Hospital in Ahmedabad City.

List of Cashless Insurance | Third Party Administrator (TPA) | Public Sector Undertaking (PSU)

INSURANCE COMPANIES

- The New India Assurance
- National Insurance
- United India Insurance
- The Oriental Insurance

TPA

- Alankit Health Care
- Anmol Medicare
- Anyuta Healthcare
- East West Assist
- Ericson Healthcare
- Family Health Plan
- Focus Healthservices
- Genins India
- Good Health
- Grand Healthcare Services
- Happy Insurance
- Health India
- Health Insurance
- Heritage Health
- MD India Healthcare
- Med Save Health Care
- Medi Assist India
- Medvantage Insurance
- Park Mediclaim
- Paramount Health Services
- Raksha Health Insurance
- Rothshield Healthcare
- Safeway Healthcare
- Spurthi Meditech
- Sri Gokulam Health Services
- Vidal Health
- Vipul Med Corp

PRIVATE INSURANCE

- Aditya Birla Health
- Bajaj Allianz
- Chola MS
- Manipal Cigna
- DHFL
- Edelweiss
- Go Digit
- HDFC ERGO
- ICICI Lombard
- IFFCO TOKIO
- India First General Insurance
- Liberty General Insurance
- Magma HDI
- Niva Bupa (Max Bupa)
- Care Health
- Reliance General
- SBI General
- Star Health and Allied
- TATA AIG
- Universal Sompo
- ACKO General
- Navi General Insurance

PUBLIC SECTOR UNDERTAKING (PSU)

- Airforce Station - Vadsar*
- Airport Authority of India
- Bharat Sanchar Nigam Limited*
- **Central Government Health Scheme (CGHS)**
- Deendayal Port Authority
- Employee's State Insurance Corporation (ESIC)* *(Employees & Pensioners Only)*
- Food Corporation of India
- Gas Authority of India Limited (GAIL)
- Gujarat Minerals Development Corporation (GMDC)*
- Gujarat State Fertilisers Corporation (GSFC)
- **Gujarat Urja Vikas Nigam Ltd (GEB) (GUVNL, GSECL, GETCO, UGVCL, PGVCL, MGVCL, DGVCL)**
- Housing And Urban Development Corporation (HUDCO)
- Hindustan Petrolium Corporation Limited (HPCL)
- Indian Farmers Fertilizers Corporation (IFFCO)
- Indian Institute of Technology - Gandhinagar (IIT-GN)
- Income Tax Department
- **Indian Oil Corporation Limited (IOCL)**
- Institute For Plasma Research (IPR)
- Indian Railway Catering And Tourism Development Corporation (IRCTC)
- **Indian Space Research Organization (ISRO)**
- National High Speed Rail Corporation (NHSRL)
- **Oil And Natural Gas Corporation (ONGC) (Mehsana, Ahmedabad etc.,)**
- Physical Research Limited (PRL)
- Rajkot Nagarik Sahakari Bank (RNSB)*
- Reserve Bank Of India (RBI)
- **State Bank Of India (SBI)**
- **Western Railway**

Reimbursement facility as per tie-ups

India's **New Destination** For Transplants

▪Heart ▪Liver ▪Kidney ▪Lung ▪Paediatric BMT

Marengo CIMS Hospital

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021
Published 20th of every month
Permitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 26th to 30th of every month under
Postal Registration No. GAMC-1730/2022-2024 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2024
Licence to Post Without Prepayment No. PMG/NG/88/2022-24 valid upto 31st December, 2024

If Undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,

Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.

Call : 1800 309 9999

"हृदय और धड़कन" का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको "हृदय और धड़कन" का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ओफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेन्ट, सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद - 380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-4805 2823

लोको मे हेल्थ के बारेमें अवरेनेश के लाने के लिए मैरिंगो सिम्स होस्पिटल से नि:शुल्क मेडीकल केम्प एवं हेल्थ अवरेनेश सेमीनार करने में आते है । जिसे विशेषज्ञ डॉक्टर से जॉच किया जाता है ।

क्या आप अपने शहेर में नि:शुल्क केम्प या हेल्थ अवरेनेश सेमीनार करना चाहते हो ?
फोन करे केतन आचार्य +91 98251 08257

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षी ने सीम्स अस्पताल की ओर से
हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और
सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।